Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to utilize surplus money lying with RBI and other PSUs for developmental works - Laid.

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर): आज हमारा देश दुनिया के तेज आर्थिक विकास वाले देशों में प्रमुख स्थान रखता है। लेकिन यह भी सच है कि हमारी जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी गरीबी की रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहा है। आज हमें गरीब नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार एवं देश के तीव्रगामी चहुंमुखी विकास के लए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवायें, आवास, स्वच्छ पेयजल, सिंचाई, सड़क मार्ग, खाद्य, रोजगार इत्यादि चुनौती भरी समस्याओं के निराकरण हेतु धन की आवश्यकता है।

अमेरिका जैसे विकसित देश में एक तय सीमा से अधिक रिजर्व/सरप्लस राशि को वहां का सेन्ट्रल बैंक सरकार को ट्रांसफर कर देता है तथा इंग्लैंड में भी केन्द्रीय बैंक और सरकार के बीच इस तरह की सरप्लस धनराशि को ट्रांसफर किए जाने का प्रावधान है। जब विश्व के विकसित देशों में सरकार को सरप्लस धनराशि को ट्रांसफर किये जाने की व्यवस्था है, तब भारत जैसे हमारे विकासशील देश में सरप्लस धनराशि को सरकार को विकास संबंधी कार्यों को कराए जाने हेतु ट्रांसफर करने हेतु विरोध करना उचित नहीं है। |

आज की तारीख में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, राष्ट्रीयकृत बैंक सहित अन्य सरकारी उपक्रमों के पास एक बड़ी धनराशि बिना उपयोग के सरप्लस पड़ी हुई है। सरकार उपक्रमों के पास बिना उपयोग के सरप्लस पड़ी हुई धनराशि को देश के विकास संबंधी कार्यों में लगाकर न केवल हमारे देश के तीव्र विकास में मदद मिलेगी, बल्कि इस राशि से संचालित की जाने वाली जनहित की योजनाओं से देश के गरीब लोग लाभान्वित होकर राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे, जो आज के समय की नितांत आवश्यकता है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया सहित देश के अन्य सरकारी उपक्रमों के पास बिना उपयोग के पड़ी हुई सरप्लस धनराशि को देश के विकास संबंधी कार्यों में व्यय किए जाने हेतु आवश्यक कदम उठाए, जिससे देश का और अधिक तीव्र गति से विकास हो सके।